# ॥ श्री गुरुदेव की आरती ॥

आरती कीजै गुरुदेव गुणी की
योगर्षि श्रीकपिल मुनि की

बाल ब्रह्मचारी मग ब्राह्मण
ब्रह्मज्ञानी साधु अति पावन

प्रेम, पराविद्या के धनी की
योगर्षि श्रीकपिल मुनि की । आरती कीजै ॥

साधन - सिद्ध, प्रभु के परिकर
जन्म - जन्म के लीला - सहचर

हरि हिय भूषित भक्त - मणि की
योगर्षि श्रीकपिल मुनि की । आरती कीजै ॥

ईसा प्रभु सम जग अघहारी
माँ काली सम बाधाहारी

वाग्लोक के बाल - ऋषि की
योगर्षि श्रीकपिल मुनि की । आरती कीजै ॥

धवल ज्योतिमय शान्त प्रकाशी
सांख्य योग वेदान्त निवासी

ध्यानी, धर्म - धीर, दानी की
योगर्षि श्रीकपिल मुनि की । आरती कीजै ॥

वैदिक कवि रवि - चन्द्र सुशोभित
वैखरी - वीणा - ब्रह्म विभूषित

कर्मयोगी प्रभु - मर्म - ज्ञानी की
योगर्षि श्रीकपिल मुनि की । आरती कीजै ॥